दैनिक जागरण, कानुर, २४ मार्च २०१७

आइआइटी में शहर से दस फीसद कम प्रदूषण

कानपुर :शहर में लगातार बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए हम आइआइटी से सबक ले सकते हैं। आइआइटी कैंपस की अपेक्षा शहर की आबोहवा में करीब पांच गुना प्रदूषण है। साथ ही आइआइटी का तापमान भी शहर के मुकाबले तीन डिग्री कम रहता है। आइआइटी वैज्ञानिकों के शोध के अनुसार शहर में हरे भरे पेड़ कम व अधिक ट्रैफिक होना इसका प्रमुख कारण है। आइआइटी ट्रांसपोर्टेशन का मॉडल शहर में अपनाया जाए तो इस जानलेवा प्रदूषण पर शिकंजा कसा जा सकता है। हवा में आइआइटी कैंपस में पीएम-2.5 की मात्रा औसतन 40 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर जबकि शहर में 120 माइक्रोग्राम है। शोध में बड़ा चौराहा व परेड जैसे अधिक ट्रैफिक वाले चौराहों व क्षेत्रों में इसकी मात्रा और अधिक पाई गई है। कैंपस में सोमवार का तापमान करीब 34 डिग्री सेल्सियस रहा और शहर का 37 डिग्री सेल्सियस।

समझदारी का नतीजा

- आइआइटी कैंपस से पांच गुना अधिक प्रदूषण और अधिक तापमान
- शिक्षक व छात्र साइकिल से चलते हैं कैंपस में

आइआइटी में आठ हजार साइकिल : आईआईटी के शिक्षक व छात्र साइकिल से चलते हैं। यहां करीब आठ हजार साइकिलें दौड़ती हैं। इन्हें साइकिल से 15 किमी. की दूरी तय करने में झिझक नहीं होती। सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. सच्चिदानंद त्रिपाठी ने बताया कि बढ़ता प्रदूषण शहर के लिए खतरा है। हवा में पीएम 2.5 की बढ़ती मात्रा फेफड़ों के रोगी बढ़ा रही। इससे बचने को प्रदूषण नियंत्रण जरूरी है।